मैथिली मे पहिल इ-पेपर

समाद

● पटना, 6 जनवरी ,2009 ● साप्ताहिक ● अंक- 20 ● साल-1 ● इनटरनेट संस्करण

निवेशक आउ, बिहार मे नहि अछि मंदी

> ‘अहां एतय अपन हब विकसित करू। अहांक जे काज 15 टका मे बेंगलुरु व हैदराबाद मे होइत अछि, यकीन मानू एहि ठाम आठ–दस टका मे होइत। हमर गारंटी अछि, अहां कए कोई तंग नहि करत। आब सब जान चुकल अछि जे गड़बड़ी करैवाल कए केना असली जगह (जेल) पहुंचा देल जाइत अछि? हम नहि ककरो फंसबैत छी आ नहि ककरो बचबैत छी। कानून अपन काज करैत अछि। अहां सब एहिठाम राइत में सेहो काम करू। कतहु कोनो दिक्कत नहि अछि।’

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कामगार क रूप मे बिहार क लोक कए खुली कए तारीफ करैत हिनका अवसर देबा लेल नियोजक (पैघ कंपनी) स अपील केलथि अछि, संगहि हुनका स राज्य कए अपन ‘हब’ (केंद्र) बनेबाक आग्रह केलथि अछि। ओ कहलथि जे आर्थिक गतिविधी क लेल राज्य मे सुरक्षा व बेहतरीन माहौल क गारंटी द रहल छी। ओ कहलथि जे हम दावा करैत छी जे बिहार मे मंदी क असर काफी कम होइत। दरअसल, एहि स लड़बाक जे मंत्र (सार्वजनिक निवेश) बताउल जा रहल अछि, ओ एहि ठाम तीन वर्ष पहिने स लागू अछि। विकास कार्य पर सर्वाधिक खर्च भ रहल अछि। एहि वर्ष कुल 13500 करोड़ टका खर्च केल जा रहल अछि। नीतीश कुमार पिछ्ला हफ्ता श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल मे द्वितीय राज्यस्तरीय नियोजन सह मार्गदर्शन मेला 08 क उद्घाटन क बाद सभा कए संबोधित करि रहल छलाह। ओ किछु चयनित अभ्यर्थी कए अपन हाथ स नियुक्ति पत्र सेहो देलाह। 36 कंपनी 6000 रिक्ति ले कए आयल छ्ल। इ मेला एक सप्ताह धरि चलल। कहल जा रहल अछि जे एहन मेला आब प्रमंडल स्तर पर सेहो लगाउल जाइत। ओ नियोजक से कहलथि जे अहां सब इ बुझि ली जे बिहार क आदमी काज मे कोताही नहि बरतैत अछि। मुफ्त क रोटी नहि खाइत अछि। ओ भीख नहि मांगैत अछि। मेहनत क खाइत अछि। .. बिहारी कखनो निठल्ला नहि बैसत। ओ अहां कए धोखा नहि देत। धोखा देबा लेल अक्ल चाही, ऐहन अक्ल बिहारी क लग मे नहि होइत अछि। बिहार क आदमी वफादार होइत अछि।

ओ नियोजक कए गारंटी देलथि-‘अहां एहि ठाम अपन हब विकसित करू। अहां क जे काज 15 टका मे बेंगलुरु व हैदराबाद मे होइत अछि, यकीन मानू बिहार में आठ-दस टका मे होइत। हमर गारंटी अछि, अहां कए कोई तंग नहि करत। आब सब बुझी चुकल अछि जे गड़बड़ी करै वाला केना असली जगह (जेल) पहुंचा देल जाइत अछि? हम न त ककरो फंसबैत छी आ न हि ककरो बचबैत छी। कानून अपन काज करैत अछि। अहां सग एहि ठाम काबि कए राति मे सेहो काज करि सकैत छी। कतहु कोनो दिक्कत नहि छैक।’

मुख्यमंत्रीक अनुसार राज्य में संभावना क विशाल द्वार खुलि रहल अछि। एहि ठाम रोजगार क असीम गुंजाइश अछि। हुनकर ‘बेरोजगार’ शब्द पर आपत्ति रहल। ओ युवा स आह्वान केलथिर-‘नौकरी पाबैवाला नहि, देबैय वाला बनू।’ मुख्यमंत्री क अनुसार पहिने कहां सरकार रोजगार क बारे मे एहन चिंता करैत छ्ल; एहन कोनो आयोजन होइत छ्ल?

समारोह कए संबोधित करैत श्रम संसाधन विभाग क प्रधान सचिव व्यास जी ‘स्किल्ड फोर्स’ क तैयारी मे बिहार सरकार क रणनीति क खुलासा केलथि। बतेलथि जे केना एकरा दू तरीका स अंजाम देल जा रहल अछि। आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र) क संजाल फैलाउल जा रहल अछि, नौजवान कए बाजार क मांग तक पहुंचाउल जा रहल अछि। हुनकर अनुसारे बिहार मे प्रतिभा की कमी नहि अछि। मंदी स बिहार अछूत रहत। एहि मौका पर मुख्यमंत्री सरफराज आलम, स्वर्णिहा कुमारी, अमित कुमार, सुधीर कुमार सिंह, मो.अफजल, आशा कुमारी, दिग्विजय कुमार, प्रणव कुमार झा, रियाज सिद्दीकी आ अनुराधा (एचडीएफसी) आओर महिमा ऐश्वर्या, सुनीता भारद्वाज, रंजय कुमार, राहुल कुमार, वेदप्रकाश एवं रवनीश कुमार (आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल) कए नियुक्ति पत्र देलथि।

> ‘सब कए इ बुझि लेबाक चाही जे बिहार क आदमी काज मे कोताही नहि बरतैत अछि। मुफ्त क रोटी नहि खाइत अछि। ओ भीख नहि मांगैत अछि। मेहनत क खाइत अछि। .. बिहारी कतहु कखनो निठल्ला नहि बैसइत अछि। ओ अहां कए धोखा नहि देत। धोखा देबा लेल अक्ल चाही आओर एहन अक्ल बिहारी क लग नहि अछि। बिहार क आदमी वफादार होइत अछि।’

स्वरोजगार पर दियउ जोर

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी क अनुसार एहि स सुखद आश्चर्य आओर की होइत जे जखन पूरा विश्व भीषण मंदी क चपेट मे अछि, पैघ-पैघ कंपनी छंटनी कए रहल अछि, बिहार क बेरोजगार क लग मे नियोजक चलि कए एलथि अछि। राजग शासन क तीन साल मे 3 लाख 11 हजार लोक कए नौकरी भेटल अछि। शेष दू साल मे इ आंकड़ा पांच लाख तक पहुंच जाइत। ओ कहलथि जे स्वरोजगार पर जोर देल जाए। कहलथि जे-अहां बैंक क मदद स अपन उद्योग बैसा सकैत छी। केंद्र क नव व्यवस्था अहां कए पूंजी डूबबा क संकट स सेहो बचाउत। युवा वर्ग कृषि क दिस सेहो अपने कदम बढ़ाउ। ओतहु रोजगार क खासा संभावना अछि।’

स्काई इज द लिमिट .., संकल्प .., धैर्य आओर नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ओहि दिन नव भूमिका मे छलाह-एकटा काउंसलर, एकटा शिक्षक क भूमिका मे। मौका छल नियोजन सह मार्गदर्शन मेला। ओ बाजार, अर्थव्यवस्था स ले कए आदमी क मन कए उछालि देयवाला स्थिति-गुण स युवक क वाकिफ करौलथि। कहलथि-स्काई इज द लिमिट क भाव रखू। .. अरे, हमरा देखू। तमाम झंझावात क बावजूद जखन हम एहि ठाम तक पहुंच सकैत छी, त अहां किएक नहिं?' ओ कहलथि-'हम अपना कए धैर्यवान मानैत छी। देखू हम कतय छी? .. अहां सब हीनता-कमतरी क शिकार नहि बनू। अपन ताकत चिन्हु। किया नहि होइत कोनो काज अपना सब से? अरे, जे दुनिया कए रहल अछि, ओ सब कोनो विशेष नहि अछि, सब अपने सब जना हाड़-मांस क आदमी छी- एहन भावना राखू। सब गोटे मे पूरी क्षमता अछि। फिलहाल नौकरी नहि भेटेय त उदास न होउ। अहां मे क्षमता अछि, त काज जरूर भेटत। .. सबसे पैघ गप अछि संकल्प और इच्छाशक्ति। हम चुपचाप रहैत छी। सबटा गपक जवाब देब ठीक नहि होइत अछि। वक्त जवाब द दैत अछि। जुबान नहि, काज कहैत अछि। कोसी क मामला देखू। अगर इच्छाशक्ति नहि रहिते त कोसी क्षेत्र मे बचाव आ राहत क ऐतिहासिक काज केना होइते? कतय गेलाह केवल जुबान हिलाबैवाला? हुनकर अनुसारे, 'हमरा विरासत मे की भेटल छल, सब जनैत छी? कोई नहि मानैत छल जे बिहार मे पुल-सड़क बन सकत। पुल निर्माण निगम बंद भ चुकल छल। हम जेना-तेना ओकरा जिंदा केलहु। आइ लाभांश द रहल अछि। एक संगे 115 पुल क उद्घाटन भेल। ऐहन ढेर टा नमूना अछि। हम सिर्फ आधारशिला नहि रखैत छी। हां, कुछ लोग एहन जरूर कए रहल छथि।' हुनक इशारा बिहार क किछु केंद्रीय मंत्री पर छल।

उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी अंगरेजी और कंप्यूटर क ज्ञान पर खासा जोर देलथि। हुनकर आह्वान रहल-'नौकरी क पाछु नहि भागू। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम क इ गप दिमाग मे रखू जे हमरां नौकरी देबाक अछि।' श्रम संसाधन मंत्री अवधेश नारायण सिंह अगलगी आओर चिड़िया क कथा सुनौलथि। कहला-'गाम मे आग लगला पर एकटा चिड़िया अपन चोंच स पाइन क बूंद आनि आगि पर फेंकैत छल। कौआ ओकरा स- एहि स कि आगि बूझि जाइत? चिड़िया-हमहू जनैत छी जे आगि नहि बूझत मुदा जखन एहि गांव क इतिहास लिखल जाइत त हमर नाम आगि बुझेबा वाला मे होइत, आग लगेबावाल मे नहि।' एहि पर जोरदार ताली बजल। मानवाधिकार आयोग क सदस्य आरआर प्रसाद क कहब छल जे ओ म्युनिसिपल कॉरपोरेशन क स्कूल मे पढ़ि कए एतय धरि पहुंचलाह अछि।ओ हीनता छोड़ि आगू एबाक गप कहलाह। कहला-'कलियुग मे किस्मत कर्म स लिखल जाइत अछि।.. नो शार्टकट्स टू सक्सेस। नीतीश कुमार जी कए देखू। धैर्य और विश्वास रखय पड़त।

बदलैत बिहार हमर नजरिं स

बिहार ज्ञानक भूमि अछि आओर कहल जाइत अछि जे सबस बेसी ज्ञान शतरंज मे लगाउल जाइत अछि। बिहार मे शतरंजक क्रेज कतेक बढ़ि गेल इ कहब ओतेक जरुरी नहि रहल, किया त बिहार आब विश्वनाथन आनंद क स्वागत करैत अछि।

आब दरभंगो मे सात फागिंग मशीन स खदेड़ल जाइत मच्छर

दरभंगा। आब शहर स मच्छर कए सात फागिंग मशीन क सहारा स खदेड़रबाक अभियान चलाउल जाइत। एकरा लेल नगर निगम तीन टा मशीन स्वास्थ्य महकमा स उधार लेत। स्वास्थ्य विभाग निगम कए छिड़काव क लेल दवा 'माला फीनान' सेहो उधार मुहैया कराउत। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग कए मलेरिया विभाग स एकरा लेल मशीन आ दवा उपलब्ध करा देलक अछि। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ केके गुप्ता नगर निगम कए एकरा लेल पत्र सेहो लिखलथि अछि। डॉ गुप्ता संपर्क कैला पर बतेलाह जे नगर निगम मशीन क उपयोग कए वापस लौटाउत। संग हि बचल दवा सेहो ओकरा लौटेबाक छैक। एक ड्राम दवा निगम कए उपलब्ध भ चुकल अछि।

एहि संबंध मे संपर्क कैला पर नगर आयुक्त बिनोद कुमार झा बतेलाह जे निगम क लग मे पहिने स चारिटा मशीन उपलब्ध अछि। एखन एक दिन मे दू-दू वार्ड मे दू-दू टा मशीन क सहारे फागिंग कार्य चलि रहल अछि। आब स्वास्थ्य विभाग स तीनटा मशीन उधार पर भेटलाक बाद बाद एक दिन मे चारिटा वार्ड मे फागिंग कार्य चलत। ओ कहलथि जे जनवरी माह क रोस्टर तैयार भ चुकल अछि आ फागिंग कार्य चलि रहल अछि। स्वास्थ्य विभाग स मशीन आ दवा प्राप्त भेलाक बाद नव रोस्टर बनाउल गेल अछि। उल्लेखनीय अछि जे एखन चारिटा मशीन क सहारे नगर निगम क 48 वार्ड मे फागिंग कार्य करै मे काफी समय लागि रहल अछि। पूरा शहर मे फागिंग कार्य मे लगभग एक माह लागि जाइत। जखन तक इ कार्य संपन्न होइत, तखन तक पहिने जतय फागिंग भ चुकल अछि, ओइ ठाम फेर स मच्छर क प्रकोप आरंभ भ जाइत अछि। आब एक दिन मे दू टाक जगह चारिटा वार्ड मे फागिंग हेबाक कारण इ कार्य महज 12 दिन मे समाप्त भ जाइत। दोसर दिस, चलि रहल फागिंग कार्य क बाबत शहरवासी क कहब अछि जे एकर बाद सड़क स त मच्छर क प्रकोप किछु दिन क लेल समाप्त भ जाइत अछि, मुदा घर मे समस्या बढ़ि जाइत अछि। अगर फागिंग मशीन कए धीमी गति स मोहल्ला स गुजारल जाए त शायद समस्या से निजात भेटय।

निशाना बिहारी बाबू पर, मुदा तीर बहुतो पर साधलथि नीतीश

पटना। बिहार मे फिल्म सिटी निर्माण क मामला मे राज्य सरकार क आलोचना पर बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा कए मुख्यमंत्री इशारे-इशारे मे कईटा नसीहत द देलथि। ओ कहलथि जे शत्रुघ्न सिन्हा कए ओ काफी सम्मान करैत छथि। राष्ट्रीय नेता अछि आओर गौरव सेहो अछि हुनका पर, मुदा आश्चर्य अछि जे आइ-काल्हि ओ अपन हित क सेहो नहि सोचि रहल छथि। चुनाव लड़ताह पटना स आ करताह सरकार क आलोचना से केना होइत। इ कौन गप भेल? मुख्यमंत्री कहला जे शत्रुघ्न सिन्हा क सुझाव पर ओ फिल्म सिटी क योजना पर काज शुरू केने छथि। हुनका एकरा लेल हम क्रेडिट दैत छिएन। बिहार एकटा गरीब राज्य छैक। गरीब राज्य मे तरह-तरह क समस्या छैक। अमीर राज्य मे न जमीन क दिक्कत छैक आ न टकाक कोनो कमी। बिहार मे त जमीने नहि अछि। गरीब किसान स मिन्नत करि कए बेसी मुआवजा दे कए जमीन क व्यवस्था करि रहल छी। एहि काज मे किछु देरी भ रहल अछि।

मुख्यमंत्री कहला जे बिहारी बाबू कए इ नहि ज्ञान छैन जे हमर सरकार फिल्म सिटी क मामला मे की-की प्रयास करि रहल अछि। गप इ अछि जे बिहार क अधिकारी लेल इ प्रोजेक्ट नव गप अछि । हुनका फिल्म आदिक क्षेत्र क अनुभव नहि अछि। एहि लेल ओ सब अध्ययन मे लागल रहैत छथि। अध्ययन करि एहि मामला मे काज चलि रहल अछि। फिल्म सिटी क बुनियाद अवश्य राखल जाइत। दरअसल गप इ अछि जे खटारा गाड़ी कए अचानक हम टॉप गियर मे केना चलि सकैत अछि।

बेतिया मे चारि टा हाईडल प्रोजेक्ट लगबाक रास्ता साफ भेल

पटना। बेतिया मे जल विद्युत निगम क चारिटा परियोजना स्थापित होइत। 30.16 करोड़ क लागत स स्थापित होइ वाला एहि परियोजना स साढ़े छह मेगावाट विद्युत उत्पादन होइत। मार्च, 2010 तक एकरा पूरा करबाक लक्ष्य अछि। मंत्रिपरिषद क बैठक मे एहि स संबंधित प्रस्ताव कए मंजूरी प्रदान कैल गेल अछि। ओतहि बिहार मे आयल बाढ़ि क मद्देनजर केन्द्र द्वारा बाढ़ि पीड़ित क लेल बांटल जा रहल चाउर, गहूम कए वैट, प्रवेश कर व अतिरिक्त कर क देयता स मुक्त करबाक निर्णय लेल गेल अछि। कैबिनेट सचिव गिरीश शंकर बैठक क बाद कहलथि जे प्रदेश मे लघु जल विद्युत क ऊर्जा स्रोत कए बढ़ावा देबा लेल जल विद्युत निगम क अधीन बेतिया क धोबा, कटन्या, मथौली आ बरबल परियोजना कए मंजूरी देल गेल अछि। एकर क्षमता क्रमशः 2000, 2000, 1600 आ 800 किलोवाट यानी करीब साढ़े छह मेगावाट अछि। पूर्वी गंडक कनाल पर एकर निर्माण हेबाक छैक। एकर 30.14 करोड़ क योजना क विरुद्ध नाबार्ड द्वारा आरआईडीएफ क तहत 28.83 करोड़ क ऋण क मंजूरी एहि शर्त क संग देल गेल अछि जे शेष राशि करीब डेढ़ करोड़ टका राज्यांश क रूप मे राज्य सरकार राज्य जल विद्युत निगम कए उपलब्ध कराउत। योजना क कार्यान्वयन क लेल चालू वित्तीय वर्ष मे 7.84 करोड़ टकाक व्यय क मंजूरी देल गेल अछि। पथ निर्माण विभाग क प्रस्ताव पर चर्चा क बाद कोसी नदी पर बीओटी आधारित ईस्ट-वेस्ट कोरिडोर क तहत फोर लेन पुलिस-पहुंच-पथ-गाइड बांध आ एफ्लक्स निर्माण क योजना क राज्य सहायता करार क प्रारूप कए सेहो मंजूरी देल गेल अछि। सुपौल मे एकर निर्माण हेबाक छैक। अनुग्रह नारायण सिन्हा समाज अध्ययन संस्थान, पटना क लेल चालू वर्ष मे स्थापना मद मे 1.30 करोड़ आ ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान क चालू वर्ष मे 50 लाख सहायक अनुदान क मंजूरी देल गेल अछि। नेऊरा सहायक थाना भवन निर्माण क लेल 53 डिसमिल गैरमजरूआ जमीन पुलिस विभाग कए हस्तांतरित कैल गेल अछि। बिहार प्रशासनिक सेवा क मूल कोटि क अधिकारी कए एसडीओ स्तर मे प्रोन्नति क प्रस्ताव कए सेहो हरी झंडी द देल गेल अछि।

नहि तेज भ पाबि रहल अछि एसएच पर काज

ईस्ट-वेस्ट कारीडोर परियोजना पर सेहो काज धीमा, पथ निर्माण मंत्री देलथि एजेंसी आ ठेकेदार कए अल्टीमेटम

पटना। राज्य उच्च पथ क निर्माण प्रक्रिया क मंद गति क आलम इ अछि जे निर्माण एजेंसी सीपीडब्ल्यूडी व इरकान कए लगातार पथ निर्माण विभाग द्वारा अल्टीमेटम देल जा रहल छैक। समीक्षा बैठक क बाद निर्माण क गति किछु आगू जरूर बढ़ल अछि, मुदा मामला फेर किछु दिनक बाद ठंडा पड़ि जाइत अछि। पथ निर्माण मंत्री एसएच निर्माण क सुस्त गति कए ल कए सीपीडब्ल्यूडी कए फेर स पंद्रह दिन क अल्टीमेटम देलथि अछि। इरकान कए दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर और वैशाली जिला क 13 पैकेज मे 330. 17 किमी राज्य उच्च पथ बनेबाक छैक। एहि काज क लेल प्राक्कलित राशि 608.01 करोड़ टका अछि। इरकान कए 302. 66 करोड़ टका उपलब्ध कराउल जा चुकल अछि, मुदा इरकान एखन धरि मात्र 143. 72 करोड़ टका क एसएच क निर्माण मद मे खर्च केलक अछि। इ कुल योजना लागत क 27 प्रतिशत अछि। पथ निर्माण विभाग स भेटल जानकारी क अनुसार निर्धारित लक्ष्य क अनुसार इरकान कए एखन धरि

विश्व बैंक के कोटे से प्रगति मात्र 29 फीसदी

पटना। पथ निर्माण मंत्री डॉ प्रेम कुमार ईस्ट–वेस्ट कारीडोर क तहत बिहार क हिस्सा मे बनि रहल सड़क निर्माण क समीक्षा केलथि। पोरबंदर स सिल्वर तक बनि रहल ईस्ट–वेस्ट कारीडोर क हिस्सा मे बिहार क गोपालगंज स पूर्णिया जिला क पैघ हिस्सा क सड़क कए फोर लेन मे परिवर्तित करबाक छैक। एहि परियोजना क तहत बिहार क हिस्सा मे चलि रहल कार्य क स्थिति इ अछि जे काज मात्र 29.6 प्रतिशत तक पूरा भ सकल अछि। इ काज विश्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराउल गेल राशि स भ रहल अछि। ओना एनएचएआई अधिकारी पथ निर्माण मंत्री कए इ आश्वस्त

250 करोड़ टका खर्च करबाक चहैत छल। हाजीपुर-वासुदेवपुर पथ, वासुदेवपुर-समस्तीपुर पथ, पंडासराय-मब्बी- लहेरियासराय-कटहलबाड़ी पथ, हनुमाननगर-समस्तीपुर-मुसरी घरारी पथ आ फुलपरास-खुटौना-लौकहा पथ क प्रगति काफी धीमा अछि। पथ निर्माण मंत्री प्रेम कुमार एहि पर तमसायल छथि,कहैत छथि जे अगर पंद्रह दिन क भीतर संवेदक द्वारा कार्य मे प्रगति नहि आनल जाइत अछि त ओकरा स काज वापस ल कए कार्य कए विभागीय स्तर स करेबाक अथवा फेर वैकल्पिक व्यवस्था क गप सोचल जाइत। निर्धारित अवधि मे काज आरंभ नहि होइत अछि त इरकान आ संबंधित संवेदक पर विभाग अपन स्तर स कार्रवाई सेहो करत। पथ निर्माण मंत्री कहला जे जून, 2009 तक हर हाल मे इरकान द्वारा बीएम क काज निश्चित रूप स भ जेबाक चाही।

सीपीडब्ल्यूडी द्वारा 33 जिला मे 1705 किमी एसएच क निर्माण कराउल जा रहल अछि। एकरा लेल 2385. 93 करोड़ क 25 पैकेज बनाउल गेल अछि। सीपीडब्ल्यूडी कए पथ निर्माण विभाग द्वारा एखन धरि 1075 करोड़ टका उपलब्ध कराउल जा चुकल छैक। एहिमे सीपीडब्ल्यूडी मात्र 805. 44 करोड़ टका खर्च केलक अछि। 107 किमी सड़क क निर्माण पूरा भ चुकल अछि। सीपीडब्ल्यूडी क लेल निर्धारित लक्ष्य क अनुसार एखन धरि 800 किमी सड़क क निर्माण पूरा भ जेबाक चाहैत छल। मंत्री कहला जे प्रगति अपेक्षा क अनुकूल नहि अछि। एहिमे पंद्रह दिन क भीतर प्रगति आनल जाए। समीक्षा क दौरान इ गप सामने आयल जे भागलपुर क पीरपैंती-गोड्डा पथ, भागलपुर-हंसडीहा पथ, सुल्तानगंज-तारापुर पथ, बांका जिला क भागलपुर-अमरपुर पथ, भागलपुर-बांका-कटोरिया पथ, सुल्तानगंज-तारापुर-डगमारा पथ, सुपौल जिला मे सहरसा-सुपौल पथ आ मधेपुरा मे सुपौल-सिंहेश्वर स्थान पथ क स्थिति काफी दयनीय अछि। मंत्री कहला जे अगर पंद्रह दिन क अंदर अपेक्षित प्रगति नहि भेल त सीपीडब्ल्यूडी आ संबंधित संवेदक क खिलाफ पथ निर्माण विभाग कार्रवाई करत। सब काज हर हाल जून तक पूरा हेबाक चाही।

केलथि जे दिसंबर, 09 तक बिहार क हिस्सा क काज पूरा करि लेल जाइत। एनएचएआई क प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन यूनिट द्वारा दरभंगा स कोसी पुल तक क काज कराउल जा रहल छैक। एनएचएआई अधिकारी आश्वस्त केलथि जे इ काज जून, 2010 तक पूरा करि लेल जाइत। मुदा एकर संभावना कम अछि। प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन यूनिट अररिया द्वारा कोसी नदी स सिमराही फारबिसगंज अररिया होइत पूर्णिया तक काज कराउल जा रहल अछि। इ कार्य क भौतिक प्रगति 55 प्रतिशत अछि। इ काज जून तक पूरा भ जेबाक संभावना अछि। पथ निर्माण मंत्री प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन यूनिट, मुजफ्फरपुर व दरभंगा क धीमी गति पर चिंता जतउलथि। बैठक मे एनएचएआई क परियोजना निदेशक शिवशंकर झा आओर तकनीकी अधिकारी मौजूद छलाह।

अगिल साल बिहार मे होयत भारतीय रोड कांग्रेस

पटना। अगिला साल भारतीय रोड कांग्रेस क आयोजन बिहार मे होइत। एहि आशय क फैसला कोलकाता मे संपन्न इंडियन रोड कांग्रेस क बैठक मे लेल गेल। बिहार क लेल इंडियन रोड कांग्रेस क आयोजन क संभवतः इ पहिल मौका होइत। पथ निर्माण विभाग स प्राप्त जानकारी क अनुसार इंडियन रोड कांग्रेस क मेजबानी बिहार कए सब राज्य क प्रतिनिधिक मौजूदगी मे हुनकर सहमति स भेटल अछि। ओना एखन इ तय नहि भ सकल अछि जे बिहार मे इ कौन शहर मे आयोजित कैल जाइत। हर वर्ष नवंबर या दिसंबर मे इंडियन रोड कांग्रेस क आयोजन होइत रहल अछि। विभाग क अभियंता इंडियन रोड कांग्रेस मे प्रतिनिधित्व करत रहला अछि। रोड कांग्रेस क बैठक मे सड़क निर्माण क क्षेत्र मे आयल नव तकनीक क संबंध मे चर्चा होइत अछि। बिहार क लेल इंडियन रोड कांग्रेस क आयोजन एहि लेल सेहो महत्वपूर्ण अछि किएक जे एहि ठाम पैघ पैमाने पर सब श्रेणी क सड़क क निर्माण क प्रक्रिया चलि रहल अछि। निर्माण क नव तकनीक आ निर्माण सामग्री जुटेबाक व्यवस्था पर एहि ठाम निरंतर चर्चा चलैत रहैत अछि आ प्रयास कैल जाइत अछि। इक्विपमेंट बैंक, स्टैंडर्ड बिडिंग डाक्यूमेंट या फेर थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल क व्यवस्था सेहो पथ निर्माण विभाग कुछ दिन पहिने शुरू केलक अछि।

दरभंगा मे खंडपीठ क मांग पर संयुक्त बैठक मे भेल विचार

दरभंगा । पटना उच्च न्यायालय क एकटा खंडपीठ दरभंगा मे गठित करबाक तैयारी मे संघर्ष समिति जुटि गेल अछि। एकरा ल कए मिथिला क चौदह जिला क बार एसोसिएशन क अध्यक्ष आ सचिव 27 दिसंबर कए संयुक्त बैठक केलथि। दरभंगा बार एसोसिएशन मे आहुत एहि बैठक मे सुपौल, अररिया, सहरसा, मधेपुरा, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, खगड़िया, बेगूसराय, समस्तीपुर, मधुबनी, सीतामढ़ी आ शिवहर जिला बार एसोसिएशन समेत सब टा अनुमंडल बार एसोसिएशन क अध्यक्ष आ सचिव भाग लेलथि। उच्च न्यायालय खंडपीठ गठन संघर्ष समिति क संयोजक सह दरभंगा बार एसोसिएशन क महासचिव इन्द्रशेखर मिश्र कहलथि जे मिथिला क वकील दरभंगा मे खंडपीठ स्थापना क लेल 1993 से अद्यतन संघर्षरत छथि आ जे आब मंजिलक लग पहुंच चुकल अछि।

सत्यमेव जयते ताकि रहल छथि एकटा आप्रवासी

दरभंगा । अप्रवासी भारतीय रमेश गठौरिया राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ क तीन शेर क तस्वीर क नीचा अंकित 'सत्यमेव जयते' क खोज मे विगत दू साल स लगल छथि। अनुसंधान क क्रम मे जे तस्वीर सामने आयल अछि, ओ कोनो देशभक्त कए हैरान करि सकैत अछि। एकटा निजी कार्यक्रम मे भाग लेबा लेल दरभंगा आयल अमरीका निवासी अप्रवासी भारतीय कठौरिया कहला जे इ काफी दुखद मामला अछि आ एकर जिम्मेदार सेहो कोई आओर नहि ओ छथि जिनका ओकर सुरक्षा क जिम्मेदारी भेटल छैन। ओ कहला जे 9 सितंबर, 2007 कए एकटा भेंट क दौरान राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल हुनका लग मे संकलित तमाम ओहेन राजचिह्न कए देखबाक इच्छा प्रकट केलथि , किंतु आइ धरि हुनका राजभवन स बुलावा नहि आयल अछि। राजभवन क आमंत्रण नहि भेटल त ओ चेन्नई मे 7-9 जनवरी 2009 को आयोजित प्रवासी भारतीय सम्मेलन क बहिष्कार करि देलाह।

कठौरिया कहलथि जे हैदराबाद मे वर्ष 2006 मे आयोजित अप्रवासी भारतीय सम्मेलन क दौरान प्रकाशित स्मारिका मे ओ राजचिह्न स मंडुकोपनिषद क वाक्य सत्यमेव जयते गायब पउलथि। एहि पर ओ अप्रवासी विभाग क तत्कालीन मंत्री आस्कर फर्नांडीस क ध्यान एहि ओर खींचला त ओ सेहो आश्चर्य जतेलथि। बावजूद उक्त पत्रिका क अगिला अंक मे सेहो इ गलती बरकरार रहल। कठौरिया कहलथि जे न्यूयार्क मे ओ वेबसाइट पर भारत सरकार क सब टा मंत्रालय, राष्ट्रपति क सचिवालय, सर्वोच्च न्यायालय, प्रतिरक्षा संस्थानों, तीनू सशस्त्र सेना आ अन्य शासकीय उपक्रम क विज्ञप्ति कए खंगालि लेलाह। एहि दौरान ओ पउलथि जे राष्ट्रपति भवन क पत्राचार आ परिपत्र मे सेहो सत्यमेव जयते नहि अछि। सर्वोच्च न्यायालय आ देश क प्रायः सब उच्च न्यायालय आ अन्य न्यायालय मे सेहो तीन शेर क नीचा अनिवार्य तौर पर अंकित रहैवाला सत्यमेव जयते नहि अछि। एतबे नहि, विदेश मे भारत क दूतावास स सेहो जारी विज्ञप्ति आ परिपत्र मे इ त्रुटि भेटल। ओ कहला जे एहि अन्याय क बारे मे एहन निर्मम खामोशी देश ओढ़ि लेत, एकर कल्पना नहि कैल जा सकैत अछि। ओ कहला जे संविधान क व्याख्या करैय वाला कानूनविद, साम्यवादी, अकादमीशियन आओर बुद्धिजीवी एहि मसला पर चुप किया छथि, इ आश्चर्यजनक अछि। कठौरिया कहलथि जे राष्ट्रीय चिह्न अवमानना क लगभग ढ़ाई सौ उदाहरण हुनकर लग मे छैन। ओ कहला जे कि आब वंदे मातरम् आ सूर्य प्रणाम क भंति सत्यमेव जयते क इस्तेमाल सेहो एहि देश मे ऐच्छिक भ गेल अछि। अथवा इ बिहार क माटी स जुड़ल रहबाक कारण अछूत बनि गेल अछि।

राष्ट्रपति भवन क पत्राचार आ परिपत्र मे सेहो सत्यमेव जयते नहि अछि। सर्वोच्च न्यायालय आ देश क प्रायः सब उच्च न्यायालय आ अन्य न्यायालय मे सेहो तीन शेर क नीचा अनिवार्य तौर पर अंकित रहैवाला सत्यमेव जयते नहि अछि।

राज्य क चारिटा पिछड़ल जिला कए भेटल नेशनल इनोवेशन प्रोजेक्ट

पटना। राज्य मे प्रति व्यक्ति जोत क लगातार घटैत आकार आ दिनोंदिन पैदावार मे भ रहल गिरावट स चिंतित सरकार राज्य क चारि टा पिछड़ल जिला मे नेशनल इनोवेशन प्रोजेक्ट चलाउत। एहि प्रोजेक्ट क तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद क वैज्ञानिक क मार्गदर्शन मे कृषि आ ओहि स जुड़ल विषय पर अनुसंधान कैल जाइत। एहि स खेत क पैदावार बढ़बाक संग-संग किसान क आय मे वृद्धि करबा मे मदद भेटत । संगहि राज्य मे बढ़ि रहल बेरोजगारी पर लगाम लगेबा मे इ प्रोजेक्ट स काफी उम्मीद छैक। परिषद के निदेशक डॉ एमए खान कहला जे नव योजना क अनुसार राज्य क सर्वाधिक पिछड़ल चारि टा जिला मे नेशनल इनोवेशन प्रोजेक्ट क तहत नवीनतम तकनीक क खोज कैल जाइत। योजना क प्रथम चरण मे राज्य क वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा आ मुंगेर क चयन कैल गेल अछि। एहि जिला मे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद क नेतृत्व मे वैज्ञानिक कृषि क नव तकनीक क खोज करताह, जेकरा स ओहि जिला क पिछड़ापन दूर कैल जा सकत। परिषद् क वरीय वैज्ञानिक डॉ पीके ठाकुर, प्रोजेक्ट क प्रधान अन्वेषक बनाउल गेलाह अछि। ठाकुर कहला जे बिहार क भौगोलिक बनावट अन्य राज्य स अलग अछि। राज्यक उत्तरी भाग जतय बाढ़ि क चपेट मे अछि, ओतहि मध्य व दक्षिण बिहार पर सूखा क प्रभाव अछि। प्रोजेक्ट क लेल चयनित जिला बाढ़ि प्रभावित अछि। एखन मे एकरा लेल ओहि स संबंधित तकनीक ताकल जाइत।

अंक-20, साल-1, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : सुषमा
समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक, समदिया(दिल्ली) : गिन्नी सिंह ठाकुर, समदिया (नेपाल): ममता शंकर e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)